

(5) तथापि आवेदन करने पर ग्राहीत मानीटिरिंग कमटी को संबंधी भेजे बिना "ग्राहापति" प्रमाणपत्र भव्यता वास्तविक उपयोक्ता (प्रौद्योगिक) की वास्तविकताओं के संबंध में सरणीबद्ध अधिकरण की संतुष्टि के लिये निम्नलिखित द्वारा जारी किए जाएंगे :—

(क) "400"—सीरिज विशिष्टिकरण की कोई भी मद गो बनिज तथा धातु व्यापार निगम के साथ पंजीकृत हो, के लिये बनिज तथा धातु व्यापार निगम ;

(ख) "400" सीरिज और इन्यू जंगावरोधी इस्पात के ऐसे मेक्षण जो देश में उपलब्ध न हो, के लिये भारतीय इस्पात प्राधिकरण द्वारा ; और

(ग) उपर्युक्त उक्त पैरा (4) में शामिल वास्तविक उपयोक्ता (प्रौद्योगिक) की तीन आवश्यकताओं के समरूप सभी पट्टियों के लिये बनिज तथा धातु व्यापार निगम मानीटिरिंग कमटी के अनुमोदन के साथ "ग्राहापति" प्रमाणपत्र प्रदान करने की सामान्य क्रियाविधि अन्य सभी मामलों में लागू होगी ।

(6) बनिज तथा धातु व्यापार निगम द्वारा 22 बीजी से बीटी शीट्स/पट्टियों का पंजीकरण इसके लेन्ड्री कार्यालयों में नहीं किया जायगा ; यह केवल नई दिल्ली में इसके मुक्त कार्यालय में किया जायेगा । राजस्व विभाग की उपर्युक्त प्रधिकूचना के अन्तर्गत सीमानुक कर की रियायती दर के साथ के इच्छुक वास्तविक उपयोक्ता (प्रौद्योगिक) के सभी पंजीकरण भी केवल बनिज वर्ग तथा धातु व्यापार निगम द्वारा नई दिल्ली में उनके मुक्तासय में किए जाएंगे ।

(7) सभू पैमाना लोक में उपलब्ध सीमा शुल्क कर की रियायती दर पर पर 16 बीजी और बीटी सामग्री पाने के इच्छुक सभी वास्तविक उपयोक्ताओं (प्रौद्योगिक) को राजस्व विभाग की उपर्युक्त प्रधिकूचना के अन्तर्गत प्रभावी मार्गों को संबंधित प्रौद्योगिक राज्य निवेशक या इन्यू संबंधित प्रायोजित प्राधिकारी द्वारा प्रायोजित करा देना चाहिये और फिर बनिज तथा धातु व्यापार निगम के पास इपनी आवश्यकताएं पंजीकृत कराने से पहले विकास प्रायुक्त (लघु पैमाना उद्योग), नई दिल्ली द्वारा जारी करा देनी चाहिये । वे मामले जिनमें पंजीकरण प्रायोजित प्राधिकारी / विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) की सिफारिश के बिना किया गया है तो बनिज तथा धातु व्यापार निगम आवश्यकताएं पूर्ण करने के लिये कदम उठाने से पहले आवश्यक निकासी के लिये मामले को विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली को भेजेगा । इस प्रकार विस्तृत पैमाना लेवर के वास्तविक उपयोक्ता (प्रौद्योगिक) भवनी मांगे हींटीडी अधिक इस तरह के प्रायोजित प्राधिकारी द्वारा प्रायोजित कराएंगे ।

(8) फिर भी, उपर्युक्त पैरा (7) में दी गई मार्ग के प्रायोजीकरण से संबंधित क्रियाविधि उन मामलों में लागू नहीं होती जहाँ पंजीकरण संबंधित वास्तविक उपयोक्ता (प्रौद्योगिक) को दिए गए एक विशिष्ट प्रादेश के मद्दे किया गया है । ऐसे मामलों में, बनिज तथा धातु व्यापार निगम मामले की वास्तविकता से स्वयं संतुष्ट होने के बाद मांग का पंजीकरण सीधे ही कर सकता है । वास्तविक उपयोक्ता (प्रौद्योगिक) बनिज तथा धातु व्यापार निगम को संबंधित पंजीकरण के साथ स्वतन्त्र व्यावसायिक समीक्षणिक के सामग्री की आवश्यकताओं विशिष्टिकाओं और भाक्षावार को उचित ठहराते हुए वास्तविक उपयोक्ता को दिए गए विशेष आदेश का निष्पादन करने के लिये एक प्रमाण-पत्र सेजेगा ।

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(Department of Commerce)

IMPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 29-ITC(PN)/79

New Delhi, the 2nd June, 1979

Subject : Import/distribution of canalised items of Stainless steel.

F. No. IPC/43/5/78-(Pt).—Attention is invited to Chapter XII of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1979-80 published under the Department of Commerce Public Notice No. 26-ITC(PN)/79, dated the 3rd May, 1979.

2. After the existing para 284 in the said Chapter, the following new para shall be added :—

"284-A. In respect of Stainless steel items canalised for Import, the procedure for distribution will be as under :

- (i) Stainless steel plates, sheets and strips should be expressed in terms of the Birmingham Gauge "(B)" and not according to the Standard Wire Gauge "(SWG)" which is relevant only to wires;
- (ii) Actual Users (Industrial) who wish to avail themselves of the concessional rate of customs duty under the Department of Revenue Notification No. 133/F. 370/189/77-Cus. dated 1-8-1978 should register their requirements only with MMTC, New Delhi, whether the item is needed by them in the flat or in the coil forms SAIL will, therefore, not register any such demand ;
- (iii) SAIL will register demands for wire rods in accordance with the policy; this could be in the form of coils;
- (iv) The following maximum widths will be applicable to the concerned Actual Users (Industrial) who register their requirement for 30 BG and thinner strips and who are eligible for duty concession under the aforesaid Department of Revenue Notification—

End Product	Maximum width applicable
Wire straps	75mm
Pen nibs	50mm
Razor blades	25mm

(v) 'No objection' certificates would be issued on request i.e. without reference to the Monitoring Committee subject nevertheless to the satisfaction of the canalising agency with regard to bona fides of the Actual User (Industrial) concerned.

- (a) by MMTC for any item of '400' series specification registered with it ;
- (b) by SAIL for such sections of '400' series and other stainless steels as are not available indigenously; and
- (c) by MMTC for all strips conforming to the three AU (Industrial) requirements covered by sub-para (iv) above.

The normal procedure of granting 'No objection' certificates with the approval of the Monitoring Committee will apply in all other cases.

- (vi) No registration of sheets/strips thicker than 22 BG will be done by the MMTC in its regional offices; this will be done only in their Head Office in New Delhi. Also all registrations of AU (Industrial) seeking the benefit of concessional rate of custom duty under the aforesaid Notification of the Department of Revenue will be done by the MMTC only in their Head Office in New Delhi.

(vii) All Actual Users (Industrial) in the small scale sector wanting 16 BG and thicker material at the concessional rate of custom duty available under the aforesaid Notification of the Department of Revenue, should have their demands sponsored by the concerned State Director of Industries or other sponsoring authority and then vetted by the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, before registering their requirements with the MMTC, (In cases where registration has been done without the recommendation of the sponsoring authority DC (SSI), the MMTC will refer the case to the DC (SSI), New Delhi for necessary clearance before proceeding to take steps for servicing the requirements). Actual Users (Industrial) in the large scale sector will have their demands sponsored by the DGTD or the concerned sponsoring authority likewise.

(viii) The procedure regarding sponsorship of demand referred to in sub-para (vii) above will, however, not apply in cases where the registration is made against and specific order placed on the Actual User (Industrial) concerned.

In such cases, MMTC may register the demand directly after satisfying itself about the bona-fides of the case. The Actual User (Industrial) will furnish to the MMTC, alongwith the connected registration, a certificate from a professional independent Chartered Engineer justifying the requirement of the material, specifications and quantitywise, for executing the particular order placed on the Actual User.

सार्वजनिक सूचना संख्या 30-प्राईटी सी (पी एन)/79

नई दिल्ली, 2 जून, 1979

विषय :—कच्चे काजुओं के सम्बन्ध में आयात और वितरण नोटि :—
आयात-नीति 1979-80

(विसिल सं. 0 आपौरी/65/13/78-79 से जारी) 1979-80 की आयात-नीति क्रियाविधि, हीचुक के अध्याय-12 की कंडिका-278 की ओर व्यापक आकृष्ट किया जाता है।

2. कच्चे काजुओं के सम्बन्ध में यह नियन्य किया गया है कि आयातित कच्चे काजुओं की उपलब्ध मात्रा का वितरण सरणीबद्ध प्रभिकरण द्वारा प्रथम् भारतीय काजू नियम सि०, (जिसे इसके बाद "नियम" कहा जाएगा) नीते संकेतित आधार पर और सरीके से पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को किया जाएगा :—

(1) पात्र वास्तविक उपयोक्ता वे संशाधक हैं जिन्होंने काजुओं के आयात-नीति व्यापार में भाग लिया था और जिन्होंने 1968-1969 किसी भी कलेण्डर वर्ष में भी और 31 अगस्त, 1970 तक काजू संशाधित करने की केन्द्रीय सला रखी थी।

(2) यदि सरणीबद्ध करने की तिथि से लगातार दो वर्षों की प्रवधि तक एक पात्र वास्तविक उपयोक्ता ने व्यवसाय न किया हो तो वह आयातित कच्चे काजू के आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा।

(3) आबंटन उन कारखानों को किए जाएंगे जो संशाधकों (वास्तविक उपयोक्ताओं) ने नियम में वाखिल किए गए प्रपत्र में घोषित

किए हैं और/या वे सरणीबद्ध करने की तिथि के बाद उनके द्वारा स्वीकृत कर लिए गए हैं।

(4) यो कारखाना कारीगरों की सुरक्षा, सेविस की शर्तों या नियर्वाण और मजदूरी के भुगतान से सम्बन्धित कानून के उपबन्धों के अनुसूल नहीं होगा वह नियम से कच्चे काजू तिरी के आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा।

(5) प्रत्येक कारखाने यो आबंटन कारखाने द्वारा रखे गए मस्तर रौप से सुनिश्चित और नियम द्वारा संत्यापित मजदूरों की संख्या के आधार पर नियम द्वारा निश्चित किया जाएगा।

(6) यदि कारीगरों की संख्या कम हो जाएगी तो कारखानों से प्राप्त विवरण के आधार पर और अपने द्वारा किए संत्यापन के आधार पर नियम को यह प्रधिकार होमा कि वह प्रारम्भिक आबंटन को पुनः नियर्वाण करें। जिस कारखानों के मस्तर रौप का नियम उनके नियोजन के द्वारा संत्यापन न कर सका हो, या जिस भाग में नियम में किसी कारखाने की हक्कदारी की पुस्तीका करना आवश्यक समझा हो उसके सम्बन्ध में नियम इस मर्द के आयात को सरणीबद्ध करने के समय प्रपत्र में दिए गए निम्नतम आंकड़े के आधार पर या यदि आवश्यक हो तो समर्थक साक्ष्य के साथ 1971 में वाखिल की गई आंकड़ा शीट के आधार पर आबंटन करेंगा।

(7) कार्पोरेशन द्वारा आबंटित कच्ची काजू गिरियाँ उसी कारखाने में संशाधित की जाएंगी जिसके सम्बन्ध में नियम द्वारा जारी किए गए आबंटन पत्र में आबंटन किया गया है और किसी अन्य कारखाने को खण्डों में या पूर्ण रूप में हस्तान्तरण करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(8) 1 सिसम्बर, 1970 के बाद लगातार दो वर्षों या इससे प्रधिक प्रवधि के लिए इन्हें वासा कारखाना कच्ची काजूगिरियों के आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा।

(9) नियत इस शर्त के प्रधीन होगा कि आबंटित कच्ची काजूगिरियों की पैदावार के अनुसार 125% के बायार काजू की गिरियाँ नीति की जाएंगी और उसका प्रमाण नियम को भेजा जाएगा।

3. उपर्युक्त व्यवस्था 1 मई, 1979 से लागू होगी।

Public Notice No. 30/ITC(PN)/79

New Delhi, the 2nd June, 1979

Subject : Import and distribution policy in respect of Raw Cashewnuts-import Policy, 1979-80.

F. No. IPC/65/13/79.—Attention is invited to Para 278 of Chapter XII of the Hand Book of Import-Export Procedures, 1979-80.

2. In respect of Raw Cashewnuts, it has been decided that the available quantity of imported raw cashewnuts will be distributed by the canalising agency viz : the Cashew Corporation of India Limited (hereinafter referred to as "Corporation") to the eligible Actual Users on the basis and in the manner indicated below :—

- (i) The eligible Actual Users are those processors who had participated in the import and export trade of cashewnuts and operated cashew processing factories in any of the calendar year 1968, 1969 and upto 31st August, 1970.
- (ii) An eligible Actual User will cease to be eligible for allocation of imported raw cashew if he was not in business for a continuous period of two years from the date of canalisation.
- (iii) Allocations will be made to those factories declared by the processors (Actual Users) in the proforma filed with the Corporation and/or accepted by them after the date of canalisation.
- (iv) Any factory which does not conform to the provisions of law relating to safety, conditions of service or fixation and payment of wages to the workmen will not be eligible for allotment of raw cashewnuts from the Corporation.
- (v) The allocation to each factory shall be determined by the Corporation on the basis of the labour strength ascertained from the Muster Roll maintained by the factory and verified by the Corporation.
- (vi) The Corporation shall have the right to refix the initial allocation if the labour strength has come down based on returns from the factories and the verification carried out by the Corporation. With respect to those factories whose Muster Roll could not be verified by the Corporation during the inspection of factories, or where the Corporation considered it necessary to review the entitlement of any factory the Corporation may make allocation on the basis of the lowest of the figure reported in the proforma at the time of canalisation of import of this item or the data sheet filed in 1971 with corroborative evidence, if necessary.
- (vii) Raw cashewnuts allotted by the Corporation shall be processed in the factory in respect of which allotment has been made in the letter of allotment issued by the Corporation and no transfer either in part or in full to any other factory will be permitted.
- (viii) Any factory closed down for a continuous period of two years or more after 1-9-1970 will not be eligible for allotment of raw cashewnuts.
- (ix) The allocation shall be subject to the condition that cashew kernels equivalent of 125 per cent in terms of yield of the raw cashewnuts allotted, shall be exported and proof hereof furnished to the Corporation.

⁹ The above arrangements will take effect from 1st May, 1979.

मार्वेजनिक सूचना सं० 31-भाईटी सी (पी एन) /79

तर्फ दिल्ली, 2 जून, 1979

विषय — 1979-80 के लिए आयात मीनि।

सिसिल सं० भाईटी पी० सी०/3/46/79¹ — वाणिज्य विभाग की मार्वेजनिक सूचना सं० 25-भाईटी सी (पी एन) /79, दिनांक 3 मई, 1979 के अन्तर्गत प्रकाशित घोषणा, 1979-मार्च 1980 के लिए आयात नीति और उसके मार्वेजनिक सूचना दिनांक 3 मई, 1979 और वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं० 27-भाईटी सी (पी एन) /79 दिनांक 21 मई, 1979 के अन्तर्गत जारी किए गए शुद्धिपत्र (क्रम सं० 1 से 69 तक) की आर आयत घोषित किया जाता है।

2 इनमें आगे विस्तृत शुद्धि प्रत्येक के सामने नियिष्ट उचित स्थान पर की गई समझी आएगी —

क्रम सं०	नीति	संदर्भ	प्रदूषि		
		पूरक	की पृष्ठ	सं०	
70	7 पैरा 29(ग) (1)				फौलकों के बीच विद्यमान शब्दों के अन में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा —
71	10 अध्याय 6 44(1)				“ऐसी प्रमाणित व्यपत के सम्बन्ध में”
72	20 अध्याय 15 106(3)				द्वितीय वाक्य के अन में निम्नलिखित चिन्ह और शब्द प्रदर्शित किए जाएंगे —
73	34 अध्याय-20 पैरा 193				“.. जैसा कि मीने उप-पैरा (2) में दिया गया है।”
					व्यपत में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा —
					“उपर्युक्त उप-पैरा (1) में उत्तिलिखित नियांत अव्याप्ति के समर्थन में प्राक्तिक को समझी लेखापाल या लागत लेखापाल से एक प्रमाणपत्र नियति का बधं, नियांति उत्पाद का विवरण और नियांत का जहाज पर्यन्त निषुल्क भूम्य प्रदर्शित करते हुए प्रस्तुत करना चाहिए।”
					व्यपत उप-पैरा (6) के बाद निम्नलिखित नया उप-पैरा जोड़ा जाएगा —
					“(7) परिविष्ट तैयार भवी को प्रदर्शित करते हैं, ऐसे सभी मामलों में सम्बन्धित नीति

			1	2	3	4
		4				
74.	35	प्रध्याय-20 पैरा 195	ग्रन्थ-बैंयार सामग्री के लिए भी लागू होगी। लेकिन कुछ मामलों में प्रविष्टि विशेष रूप से अपरिष्कृत या प्रूफ मशीन सामग्री को प्रवर्शित करती है ; इसमें ग्रन्थ-बैंयार मद्दें भी शामिल होंगी।"	80.	(16) परिशिष्ट-2 प्रविष्टि सं० 6 (2) 48 प्रथा॑ "दू नीडस संक स्टिचिंग मशीन, केबल हेस्स"	(16) -समझा छोलने के लिए स्लेट और स्प्लिटिंग मशीन यह प्रविष्टि हटा दी जाएगी। "केबल हेस्स" एवं उसके को हटा दिया जाएगा।
75.	35	प्रध्याय-20 उप-पैरा 196(1)	यह उप-पैरा निम्नलिखित अनुसार पढ़ा जाएगा :— "(1) परिशिष्ट 6, 7 और 8 में लोहा व इस्पात की किसी भी मद के तकनीकी विशिष्टिकरण/साइज के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण इस्पात विभाग, नई विली से लिया जा सकता है जैसा कि पैरा 53 में दिया गया है। इसमें यह पृष्ठानालूक भी जामिल होंगी कि क्या वास्तविक उपयोक्ता (ओचो-गिक) द्वारा प्रवेशित सामग्री पिछले वाली कतरन है या नहीं।"	81.	परिशिष्ट-2 प्रविष्टि सं० 8 "स्टूडियो और जल-चित्र प्रयोगशाला उपलब्ध"	उक्त प्रारंभिक के प्रारम्भ में "सिनेमेटोप्रार्फिक" शब्द जोड़ा जाएगा।
76.	35	प्रध्याय-20 पैरा 196	बर्तमान उप-पैरा (2) के बाद निम्नलिखित उप-पैरा जोड़ा जाएगा :— "(3) जिन मवों के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण मांगा गया हो उसके ब्लौरे परिशिष्ट 29 में विए गए प्रपञ्च में विए जाने चाहिए।"	82.	परिशिष्ट-3 प्रविष्टि सं० 22	"एन्यूमिना पालिशिंग पाउडर" शब्दों को हटा दिया जाएगा।
77.	36	पैरा 211	द्वितीय पंक्ति में "पहले" शब्द के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— "या बाद में"	83.	परिशिष्ट-3 प्रविष्टि सं० 154 "शुद्ध सिट्रोनिलोल"	इस प्रविष्टि को "शुद्ध सिट्रोनिलोल" के रूप में पढ़ा जाएगा।
78.	44	परिशिष्ट-2 प्रविष्टि सं० 62 "स्पाइट बैलिंग मशीन"	यह प्रविष्टि हटा दी जाएगी।	84.	परिशिष्ट-3, प्रविष्टि सं० 220	निम्नलिखित जोड़ा जाएगा :— "(सभी श्रेणियाँ)"
79.	45	परिशिष्ट-2 प्रविष्टि सं०, (6)(1)—		85.	परिशिष्ट-3, प्रविष्टि सं० 352 "प्राथोडाइफ्लोरो बेजीन"	यह प्रविष्टि हटा दी जाएगी।
				86.	परिशिष्ट-3 प्रविष्टि सं० 434	"रिम" शब्द के पश्चात् निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— "और टायर ट्यूब्स, जिनमें समान संबंध के फले प्र॒ भी शामिल हैं।"
				87.	परिशिष्ट-3 प्रविष्टि सं० 666	इसके अंक "7" को "8" के रूप में पढ़ा जाएगा।
				88.	परिशिष्ट-4	चित्तमान प्रविष्टि सं० 65 के पश्चात् निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— "66. परिशिष्ट 5 और 8 में धाए हुए से भिन्न कटिंग सहित मध्यी नुक्स आली/कतरन सामग्री परन्तु इसमें पीतल की कतरन एवं जस्ता/जस्ता विशेषात् कतरन शामिल नहीं है।"
				89.	परिशिष्ट-5 प्रविष्टि सं० 80 "कार्क बुड उत्पाद"	बर्तमान प्रविष्टि को इस प्रकार पढ़ा जाएगा :— "प्राकृतिक कार्क या रही से बनी कार्क बुड की वस्तुएँ"
				90.	परिशिष्ट-5 प्रविष्टि सं० 118	इस प्रविष्टि को हटाया जाएगा।

1	2	3	4	1	2	3	4
91.	73	परिशिष्ट-5 प्रविष्टि सं० 258	इस प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा — “258—ए पोलिएथिलेन ग्लाइकोल”	100	93	परिशिष्ट-10 नं० 4(4)	मंत्रिमं बाबप में “परन्तु” शब्द को “प्रतिकृत” पढ़ा जाएगा।
92.	75	परिशिष्ट-5 प्रविष्टि सं० 364	शब्द “और इससे अधिक” को हटाया जाएगा। “मोटरों के लिए दिक्कतरतेंक और एक अश्व-शक्ति या इससे अधिक का जनन।”	101	121	परिशिष्ट-17 क्रम सं० बी० 11.1 कालम 4(क)	शब्द “या परिशिष्ट 9 में शामिल की गई मदे” को हटाया जाएगा।
93.	78	परिशिष्ट-5 प्रविष्टि सं० 457(4)	यह प्रविष्टि हटा दी जाएगी।	102.	127	परिशिष्ट-17 क्रम सं० बी० 60 कालम 2	“एस्ट्रेस” और “सीमेंट” शब्दों के बीच में प्रदर्शित चिन्ह “/” को हटा दिया जाएगा।
94.	78	परिशिष्ट-5 प्रविष्टि सं० 457(11)	बर्तमान विवरण को इस प्रकार पढ़ा जाएगा — “इलेक्ट्रोलिटिक केपेसिटेंस के लिए एड एल्यूमीनियम कायल।”	103.	168	परिशिष्ट-21	मंत्रिमं कंडिका 5 को 6 के रूप में पढ़ा जाएगा।
95.	78	परिशिष्ट-5 प्रविष्टि सं० 457(29)	इस प्रविष्टि को इस प्रकार पढ़ा जाएगा :— “पावर लाइन कैरिक्यूम्यूनिकेशन्स के लिए बेत्र टैप्स और कॉ- लिंग कैपासिटेंस।”	104.	133	परिशिष्ट-17 क्रम सं० एफ० 1.2(1) कालम 4, मद(क)	मन्त्र में निम्नलिखित का जोड़ा जाएगा :— “ग्रोटीएस फैस्स”
96.	85-86	परिशिष्ट-8	(1) मद सं० 17 और 27 में “प्रनगढ़” शब्द हटा दिया जाएगा। (2) अन्त में बर्तमान टिप्पणी सं० (1) के बाद निम्न- लिखित को जोड़ा जाएगा।— “(2) खनिज तथा ध्रातु व्या- पार नियम के माध्यम से आयात के लिए सरणीबद्ध अलौह ध्रातुएँ केवल “प्रनगढ़” रूप में होती हैं। गड़े हुए रूप में उन का आयात अन्य परि- शिष्टों में सम्बन्धित प्रविष्टियों द्वारा नियकित किया जाएगा।”	105.	136	परिशिष्ट-17 क्रम सं० आई-1 कालम 4, मद(क)	अन्त में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— “और कापड़ लाइनर पेपर”
106.	138	परिशिष्ट-17	मद (ब) निम्नलिखित अनुसार पढ़ी जाएगी :— “संबेट्टन सामग्री, अर्थात् पोलिए- थिलीन मोर्लिङ पाउडर”	107.	138	परिशिष्ट-17 क्रम सं० एम० 1.3 कालम 4	निम्नलिखित मद जोड़ी जाएगी।— “(ब) संबेट्टन सामग्री, अर्थात् पोलिएथिलीन मोर्लिङ पाउडर”
108.	184	परिशिष्ट-21	बर्तमान परिशिष्ट 28 के बाद निम्नलिखित नया परिशिष्ट (इस सार्वजनिक सूचना का अनुबन्ध) जोड़ा जाएगा।— परिशिष्ट 29—बास्टार्क उपयोक्ताओं और व्यापारिक द्वारा स्पष्टीकरण मांगने के लिए प्रपत्र”				
97.	89	परिशिष्ट-10 मद सं० 4	फोल्को के भीतर प्रवर्शित शब्द “कापूतू पुज़े” के स्थान पर “मदो” शब्द रखा जाए।				
98.	92	परिशिष्ट-10 मद सं० 42 उप-प्रविष्टि सं० 4(क)	शब्द “मूर्चसी” के बाद निम्न- लिखित को जोड़ा जाएगा :— “और उसके पुज़े”				
99.	92	परिशिष्ट-10 मद सं० 42 उप-प्रविष्टि सं० 4(ब)	बर्तमान विवरण को इस प्रकार पढ़ा जाएगा :— “भीषण सं० 84-के अन्तर्गत शामें बाले 75 एवं धी से अधिक के अन्तर्गत हैं।”				

सार्वजनिक सूचना संख्या 31-आई० टी० सी० (पी० एन०)/79, 31 दिनांक
2-8-1979 का अनुबन्ध

परिशिष्ट-29

बास्टार्क उपयोक्ता (प्रौद्योगिक) द्वारा
स्पष्टीकरण प्राप्त करने के प्रपत्र

1. बास्टार्क उपयोक्ता का नाम और पता
2. प्रायोजक प्राधिकारी का नाम
3. विनियम उत्पाद

4. उस मद का पूरा विवरण (जिसमें यदि उपलब्ध हो, तो विशिष्ट-करण/साहित्य/सूचीपत्र सहित) जिसके लिए स्पष्टीकरण मांगा गया है। (रसायनकारों के मामले में यदि कोई हों तो इनमें उसके तकनीकी और समानार्थी नाम दिए जाएं)।

5. आमात नीति, 1979-80 में, मद के लिए प्रविष्टि और परिशिष्ट संलग्न का संकेत है।

6. यदा मद पहले आमात की गई थी और यदि हाँ, तो किस विशिष्ट-करण में की गई थी, भर्ती वह प्रविष्टि संलग्न और परिशिष्ट संलग्न थी जाए जिसके अन्तर्गत सीमांशुल द्वारा निकासी की गई है, उसके साथ सीमा शुल्क स्वीकृत विशिष्टकरण भी दिया जाए।

7. अनियम उपयोग सम्बन्धी दृवाला अर्थात् यदा यह कच्चा माल संघटक, फालू पुँजे, और और करते का सामान या उपयोग्य सामग्री है। (उपयोग्य सामग्री के लिए इनमें संकेत दीजिए कि यह किस संस्थान में प्रयुक्त होती है)।

8. वास्तविक उपयोगकारी द्वारा मांगा गया स्पष्टीकरण इसमें वृद्धिकोण सहित।

9. और कोई संगत सूचना।

PUBLIC NOTICE NO. 31-ITC (PN)/79 .

New Delhi, the 2nd June, 1979

Subject: Import Policy for 1979-80

F.No. IPC/3/46/79.—Attention is invited to Import Policy for April, 1979-March, 1980 published under the Department of Commerce Public Notice No. 25-ITC (PN)/79, dated the 3rd May, 1979, and to Errata (S. Nos. 1 to 69) issued under the said Public Notice, dated the 3rd May, 1979 and under the Department of Commerce Public Notice, No. 27-ITC (PN)/79, dated the 21st May, 1979.

2. The following further Errata shall be deemed to have been made therein, at the appropriate places indicated against each :—

Sl. No.	Page No. Reference No. of Policy Book, 1979-80	Erratum	
(1)	(2)	(3)	(4)
70.	7 Chapter 6, Para 29(c)(i)	At the end of the words existing within the brackets, add "in respect of such certified consumption."	72. 20 Chapter 15, Para 106(3)
71.	10 Chapter 6, Para 44(1)	The following sign and words shall appear at the end of the second sentence:— "as provided in sub-para (2) below."	73. 34 Chapter 20, Para 193.

1	2	3	4
72.	20	Chapter 15, Para 106(3)	The following shall be added at the end :— "In support of the export performance referred to in sub-para (1) above, the applicant should produce a certificate of Chartered or Cost Accountant, showing the year of export, the description of the product(s) exported and the f.o.b. value of exports."
73.	34	Chapter 20, Para 193.	After the existing sub-para (6), the following new sub-para shall be added:— "(7) The Appendices refer to finished items, in all such cases, the relevant policy would apply to semi-finished material as well. In a few cases, however, the entry specifically refers to rough or proof machined material; this would include semi-finished items as well."
74.	35	Chapter 20, Para 195.	After the existing sub-para (4), the following new sub-para shall be added:— "(5) In the case of Automotive components/ancillaries, those having non-automotive application as well, would be covered by the respective entries."
75.	35	Chapter 20, Sub-Para 196(1).	This sub-para shall read as under:— "(1) Clarifications regarding technical specifications/size etc. of any iron and steel item in Appendices 6, 7, and 8 may be had from the Department of Steel, New Delhi as set out in paragraph 53. This would include queries as to whether material required by an Actual User (Industrial) is melting scrap or not."
76.	35	Chapter 20, Para 196.	After the existing sub-para (2), the following new sub-para shall be added :— "(3) Particulars of item in respect of which clarification is sought should be given in the proforma given in Appendix 29."

1	2	3	4	1	2	3	4
77.	36	Chapter 21, Para 211.	In the 2nd line after the word "before" the following shall be added :— "or after".	90.	71	Appendix 5, Entry No. 118.	This entry shall be deleted.
78.	44	Appendix 2, Entry No. 62, "Spot Welding Machine".	This entry shall be deleted.	91.	73	Appendix 5, Entry No. 258.	After this entry, the follow- ing entry shall be added :— "258-A. Polyethylene gly- col."
79.	45	Appendix 2, Entry No. (6)(i)16 "Blades for leather shaving and splitt- ing machine."	This entry shall be deleted.	92.	75	Appendix 5, Entry No. 364. "Commutators for motors and generators upto 1 HP and above."	The words "and above" shall be deleted.
80.	45	Appendix 2, Entry No. (6) (ii) 48-viz. "Two needle, lock stitching machine, heads only."	The words "heads only" shall be deleted.	93.	78	Appendix 5, Entry No. 457 (4)	This entry shall be deleted.
81.	46	Appendix 2, Entry No. (8) "Studio and Film Laboratory Equipment."	The word "Cinematographic" shall be added at the start of the said heading.	94.	78	Appendix 5, Entry No. 457(11).	The existing description shall read as under :— "Etched Aluminium foil for electrolytic capacitors."
82.	49	Appendix 3, Entry No. 22.	The words "Alumina polish- ing powder" shall be delet- ed.	95.	78	Appendix 5, Entry No. 457(29).	This entry shall read as under :— "Wave traps and coupling capacitors for powerline carrier communication equipment."
83.	51	Appendix 3, Entry No. 154 "Citronellol pure".	This entry shall read as "Citronellal, pure".	96.	85-86	Appendix 8	(i) In items No. 17 and No. 27, the word "unwrought" shall be deleted. (ii) After the existing Note No. (1) at the end, the following shall be added :— "(2) Non-ferrous metals canalised for import through the MMTC will be in "unwrought" form only. Their import in wrought form will be governed by respective entries in other Appen- dices."
84.	52	Appendix 3, Entry No. 220.	The following shall be added :— "(all grades)".				
85.	55	Appendix 3, Entry No. 352 "Ortho di Clorobenzene"	This entry shall be deleted.				
86.	55	Appendix 3, Entry No. 434.	After the word "Rings", the following shall be added :— "as well as tyres/tubes (including flaps in equal numbers)".	97.	89	Appendix 10, Item No. 4.	For the word "spares" ap- pearing within the brack- ets, substitute "items".
87.	68	Appendix 3, Entry No. 666.	The figures "7" therein shall be read as "8".	98.	92	Appendix 10, Item No. 42, Sub-entry No. (4)(a).	After the word "movers", the following shall be added :— "and parts thereof".
88.	69	Appendix 4	After the existing Entry No. 65, the following shall be added :— "66. All defective/scrap material as well as cut- tings other than those appearing individually in Appendices 5 & 8, ex- cluding brass scrap and zinc/zinc alloy scrap."	99.	92	Appendix 10, Item No. 42, Sub-entry No. (4)(b).	The existing description shall read as under :— "(b) Internal combustion engines above 75 HP covered by Heading No. 84.06."
89.	71	Appendix 5, Entry No. 80 "Corkwood Products".	The existing description shall be read as under :— "Corkwood articles— made of natural cork or waste."	100.	93	Appendix 10, Condition No. (4).	In the last sentence, the word "But" shall read as "Be- sides."
				101.	121	Appendix 17, S.No. B. 11.1 Column 4, (a)	The words "or items included in Appendix 9" shall be deleted.

1	2	3	4	
102.	127	Appendix 17, S. No. B. 60, Col. 2.	The mark “/” appearing between the words “Asbestos” and “Cement” shall be deleted.	6. Whether the item was earlier imported and if so, under what classification, i.e. give Entry No. and Appendix No. under which cleared by the Customs, alongwith the classification accepted by the Customs.
103.	133	Appendix 17, Sl. No. F.1.2(i), Col. 4, Item (a).	The following shall be added at the end:— “/OTS cans.”	7. Details regarding end use i.e. whether raw materials, components, spare, tooling, packing material or consumable. (For consumable, please indicate in which process used).
104.	136	Appendix 17, Sl. No. I.1. Col.4, Item (a).	The following shall be added at the end:— “and Kraft liner paper.”	8. Clarification sought for by the Actual User with their views.
105.	138	Appendix 17, Sl. No. M.1.2, Col. 4.	Item (b) shall read as under:— “Packing material, viz. polyethylene moulding powder.”	9. Any other relevant information.
106.	138	Appendix 17, Sl. No. M.1.3. Col. 4.	The following item shall be added :— “(b) Packing material, viz. polyethylene moulding powder.”	
107.	168	Appendix 21	The last para No. shall be read as “6” instead of “5”.	
108.	184	Appendices	After the existing Appendix 28, the following new Appendix (Annexure to this Public Notice) shall be added :— “Appendix 29—Proforma for seeking clarification by Actual Users (Industrial).”	सार्वजनिक सूचना सं. 32-प्राई. टी० सी० (पी० एन०)/79 गई दिल्ली, 2 जून, 1979 विषय :—प्रतील 1979—मार्च 1980 की आयात-नियांत्रित क्रियान्वयित्व हैंड बुक। सिस्तम सं. प्राई. पी. सी०/एच बो/अध्याय 1/79-80 —वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं. 26-प्राई. टी० सी० (पी० एन०)/79 दिनांक 3 मई, 1979 और उस सार्वजनिक सूचना के प्रन्तर्गत जारी किए गए शुद्धि पत्र (क्र. सं. 1 से 31) में प्रकाशित आयात-नियांत्रित क्रियान्वयित्व 1979-80 की हैंड बुक की ओर ल्यान आकृष्ट किया जाता है। 2. निम्नलिखित और शुद्धियाँ इसमें प्रत्येक के सामने संकेतित उचित स्थान पर की गई समसी जाएँ :—

Annexure to Public Notice No. 31 ITC(PN)/79

Dated the 2nd June, 1979

APPENDIX 29

Proforma for seeking clarifications by Actual Users (Industrial).

- Name and address of the Actual User.
- Name of the Sponsoring authority.
- Product manufactured.
- Complete description (including specifications/literature/catalogue, if available) of the item for which a clarification is required. (In the case of Chemicals, please give technical name and synonyms, if any).
- Indicate the entry and Appendix No. for the item in the Import Policy, 1979-80.

क्रम सं.	आयात- नियांत्रि- त क्रिया- न्वयित्व 1979-80	संदर्भ	शुद्धियाँ
1	2	3	4
32	15	प्रधायाय 8 पैरा 124	सीरिक और प्रथम पंक्ति में दण्डिए गए शब्द “इरेक्शनटस्ट्स” के पश्चात् निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— “परीक्षण उपकरण”
33	17	प्रधायाय 8, उप-पैरा 142 (4)	दूसरी ओर तीसरी पंक्तियों में “पैरा 149” शब्द और धूम को “पैरा 148 और 147” के रूप में पढ़ा जाए।

1	2	3	4	1	2	3	4
34	17	मध्याय 8 पैरा 143	प्रथम वाक्य के पश्चात् निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— “वर्ष के द्वितीय माह में शावेश पक्ष फरवरी के पश्चात् नहीं भेजते चाहिए।”	38	38	मध्याय 11 पैरा 268 (7)	अन्त में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— “ऐसे मामलों में आवेदन पक्ष सम्बद्ध नियांत वाक्य के विमोचन की तिथि से तीन मास की अवधि के भीतर भेजे जाने चाहिए।”
35	29	मध्याय 11 पैरा 236	(1) विद्यमान पैरा को “236 (1)” के रूप में पुनः संखारित किया जाएगा। (2) विद्यमान उप-पैरा (i) को पुनः संखारित करने के पश्चात्, मया उप-पैरा जोड़ा जाएगा :— 2. स्वतन्त्र मध्यायार लेखों में दियत एककों के मामले में पंजीकृत प्राप्तिकारी सम्बद्ध लेख का विकास आयुष्ट होगा।	39	53	मध्याय 14, पैरा 363 (1)	सातवीं और आठवीं पंक्ति में पड़े जाने वाले लेख “निम्नलिखित संशोधित योजना होगी” को निम्न प्रकार से पढ़ा जाएगा :— “इस योजना के लिए निम्नलिखित आशोधन होंगे।”
36	30	मध्याय 11 नियांतों का अपर्जीकरण, पैरा 248	विद्यमान उप-पैरा (3) के पश्चात्, निम्नलिखित भया उप-पैरा जोड़ा जाएगा :— “(4) जब एक नियांत सबल भारतीय नियांत संघों के समुदाय के साथ पंजीकृत है और सम्बद्ध नियांत संघर्षन परिषद्/पर्यवेक्षक वस्तु बोर्ड के साथ भी पंजीकृत है तो भारतीय नियांत संघों के समुदाय द्वारा ऐसे नियांतों का अपर्जीकरण संवेदित नियांत संघर्षन परिषद्/पर्यवेक्षक वस्तु बोर्ड के साथ स्वतः ही उनके अपर्जीकरण के लिए लागू होगा। इसी प्रकार यदि कोई नियांतक संवेदित नियांत संघर्षन परिषद्/पर्यवेक्षक वस्तु बोर्ड द्वारा पंजीकृत किया जाता है तो यह उसी नियांत उत्पाद (ओं) के लिए भारतीय नियांत संघों की समुदाय के साथ पंजीकरण के लिए स्वतः ही लागू होगा।”	40	57	मध्याय 15 काँडिका 381 (1)	अन्त में पढ़ा जाने वाला वाक्य “यदि आवश्यक हुआ तो, ऐसी घरीलों पर मुख्य नियंत्रक, आवात-नियंत्र, मई विली द्वारा विचार किया जाएगा” को हटा दिया जाएगा।
37	37	मध्याय 11 पैरा 268 (क)	“नियांत” वाक्य के पश्चात् अन्त में निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा :— “अनुबन्ध 9, परिषिष्ठ 10 में लिए गए प्रयत्न में”।	41	68	परिषिष्ठ 2 आवात (नियंत्रण) आवेदन 1955, उप-मनुष्केद 5 (2)	पूसरी पंक्ति में “चालू रूप्ते” वाक्य को “निहित” के रूप में पढ़ा जाएगा।
				42	111	परिषिष्ठ-4 उप काँडिका 3 (2)	तीसरी पंक्ति में “या” वाक्य को “के लिए” के रूप में पढ़ा जाएगा।
				43	120	परिषिष्ठ 8 परिषिष्ठ संघर्ष के नीचे छोलक में दिया हुआ अंक	“234” अंक को “216” के रूप में पढ़ा जाएगा।
				44	125	परिषिष्ठ 7 प्रायोजक प्राप्तिकारियों की सूची क्रम सं 23 (क)	भारतीय इस्पात प्राप्तिकरण विं. के एकों सहायक शास्त्रालों के मामले में प्रायोजक प्राप्तिकारी को “भारतीय इस्पात प्राप्तिकरण विं. (सेस)” के रूप में पढ़ा जाएगा।
				45	134	परिषिष्ठ 10 अनुबन्ध—1 पंजीकरण प्राप्तिकारियों की सूची क्रम सं 3 कालम 2 और 3	(1) कालम 2 में छोलक में प्रविष्ट “प्रीव्हीय एरस्टी की सेस को छोलकर” को हटा दिया जाएगा। (2) कालम 3 में निम्नलिखित को अन्त में छोला जाएगा :—
							“बीर 22, 3 देश रोड, गोपीनगर, बंगलौर 560009, और कलाटिक इलेट बीवी मंजिल, 6 बीटल रस्स एंटरी, कलकत्ता-700071 पर इसके स्थानीय कार्यालय”।

1	2	3	4	1	2	3	4
46	137	परिशिष्ट—10 प्रनुद्धि—3 पंजीकरण एवं सदस्यता प्रमाण पत्र, भाग 2	कालम 1 के बाद निम्नलिखित को जोड़ा जाएगा— “2. विनियित माल का विवरण”				heading and in the first line, the following shall be added :— “/testing equipment”.
47	153	परिशिष्ट—11 वास्तविक उपयोक्ताओं के लिए प्रपत्र प्रपत्र का, भाग—3	सनदी लेखापाल/लागत लेखा- पाल या प्रायोजक प्राधि- कारी द्वारा प्रमाणपत्रों के प्रत्य में निम्नलिखित “टिप्पणी” जोड़ी जाएगी— “टिप्पणी— प्राधिकृत छोटो से प्राप्त किए गए आयातित भास (धारेवक को जारी किए गए लाइसेंसों के महे आयात किए गए से चिन्ह) के संबंध में, विवरण के कालम 3 के सामने दिया जाने वाला लागत बीमा भासा मूल्य सनदी लेखा- पाल/लागत लेखापाल/प्रायो- जक प्राधिकारी द्वारा उनके स्वयं के सदौताम निर्णय से निर्धारित किया जाएगा”	33.	17	Chapter VIII Sub-para 142(iv)	In second and third lines, the word and figure “para 149” shall read as “paras 146 and 147”.
				34.	17	Chapter VIII Para 143	After the first sentence, the following shall be added :— “In the second half year, the application should be made not later than the end of February.”
				35.	29	Chapter XI Para 236.	(i) The existing para shall be re-numbered as “236(1)”. (ii) After the existing sub- para (1) as re-numbered, the following new sub-para shall be added :— “(2) In the case of units situated in free trade zones, the registering authority will be Deve- lopment Commissioner of the concerned zone.”
48	163	परिशिष्ट 11 प्रपत्र “छ” अपेक्षित उपहार, प्रलेखों के लिए सीमा मुख्य परमिटों के लिए आवेदन पत्र [मिसिल सं. आईपीसी/एच बी/प्रष्टाय—1/79-80 से जारी] का० ब० शेषादि, मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्र	मद (3) में, “एरोग्राम पर” के शब्दों को हटा दिया जाएगा।	36.	30	Chapter XI Deregistration of Exporters, Para 248.	After the existing sub-para(3), the following new sub-para shall be added :— “(4) Where an Export House is registered with the Federation of Indian Export Organisations and also with the respective Export Promotion Coun- cil/Commodity Board, the deregistration of such exporter by FIEO will apply automatically to his registration with the respective Export Pro- motion Council/Commo- dity Board. Likewise, if such an exporter is deregistered by Export Promotion Council/Co- mmodity Board, it will automatically apply to his registration with the FIEO for the respective export product(s).”
				37.	37	Chapter XI Para 266(a)	The following shall be added at the end after the word 'exported':— “in the form appearing in Appendix 10, Annexure IX.”
1	2	3	4				
32.	15	Chapter VII Para 124	After the words “erection tools” appearing in the				

1	2	3	4	1	2	3	4
38.	38	Chapter XI Sub-Para 268(7).	The following shall be added at the end:— “The applications in such cases should be made within a period of three months from the date of redemption of the connected export bond.”	Sl. No. 3, Cols. 2 & 3.	(ii) In Col. 3, the following shall be added at the end:— “and its Regional offices at 22, III Main Road, Gandhl Nagar, Bangalore-560009; and Kan-karia Estate, 9th Floor, 6, Little Russel Street, Calcutta-700071.”		
39.	53	Chapter XIV Para 363(1).	In the 7th and 8th lines, the portion reading “The following will be the revised scheme.” shall read as under: “The following will be the amendments to the scheme :—”	46.	137	Appendix 10, Annexure-III Registration-cum- Membership Certificate, Part II.	After Col. 1, the following shall be inserted:— “2. Description of goods manufactured”.
40.	57	Chapter XV Para 381(1).	The last sentence reading “Such appeals will be considered by the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, if necessary.” shall be deleted.	47.	153	Appendix 11, Form for Actual Users Form A, Part III.	The following ‘Note’ shall be added at the end of Certificate by the Chartered Accountant/Cost Accountant or Sponsoring Authority:— “Note: In respect of the imported material procured from authorised sources (other than those imported directly against licences issued to the applicant), the CIF value to be given against Col. 3 of the statement will be assessed by the Chartered Accountant/Cost Accountant/Sponsoring Authority in his best judgement.”
41.	68	Appendix 2 Imports (Control) Order, 1955, sub-clause 5(2).	The word “continued” appearing in 2nd line shall read as “contained”.	48.	163	Appendix 11 Form G, Applications for CCPs for Gift, Documents required.	In item (3), the words “on an aerogram” shall be deleted.
42.	111	Appendix 4 sub-para 3(2).	In the third line, the word “or” shall read as “for”.				
43.	120	Appendix 6, Portion in brackets below the Appendix Number.	The figure “234” shall read as “218”.				
44.	125	Appendix 7, List of Sponsoring Authorities, Sl. No. 23(a).	The Sponsoring Authority in the case of “Units/Subsidiaries of Steel Authority of India Limited (SAIL)” shall be read as “Steel Authority of India Ltd. (SAIL)—Head Office.”				
45.	134	Appendix 10, Annexure-I List of Registering Authorities,	(i) In Col. 2 words appearing in brackets “(excluding Medicinal Castor Oil)” shall be deleted.				

[ISSUED FROM FILF No. IPC/HB/Chapter 1/79-80]

K.V. SESHADRI

Chief Controller of Imports and Exports